Kiara
Let's Make Life Happy

Kiara Astrology Research Centre ®

(Prime Report)

ॐ गंग गणपतये नमः

Call: 08674827268

Kiara ID: 1100 | | 512 **Date:** 16|05|2020 **Validity :** 1 Year Only

नामः Elder Daughter of Neerja Gupta	जन्म तिथिः 25/07/1989	जन्म समयः 00:55 hrs.
जन्म स्थानः Agra (UP)	मांगलिक योगः No (Cancelled)	इष्ट देवः Budh Dev
लग्नः Shukra Dev	राशिः Pisces (Meen)	नक्षत्रः Revati – 4

1. योग कारक (अच्छा) / मारक (शत्रु) ग्रहः (ग्रहों की स्थित के अनुसार) :

इन सभी ग्रहों के रत्न धारण करना, पूजा पाठ करना उत्तम होगा, लेकिन इन ग्रहों से सम्बंधित वस्तुयें का दान नहीं किया जाता है।

S.No	योग कारक (अच्छा) ग्रह	शुभ फल देने की क्षमता	मारक (शत्रु) ग्रह	अशुभ फल देने की क्षमता
1.	Shukra	50%	Shani (व)	> 100%
2.	Budh (अस्त)	Nill	Surya	50%
3.	Rahu (व)	50%	Chandra	10%
4.			Mangal	Nill (0%)
5.			Guru	30%
6.			Ketu (व)	50%

इन सभी ग्रहों को पूजा पाठ एवं दान करके शांत करना है। इनके रत्न वर्जित हैं।

2. राजयोग (अच्छा योग): NA, बुध (अस्त) होने के कारण उनके शुभ फलों में कमी आएगी। पेट से सम्बन्धित समस्या easily बढ़ जाएगी। love life disturb हो सकती है। विवाह में देरी तथा भावी सन्तान delay हो सकती है। पन्ना अवश्य धारण करें।

3. कुण्डली दोषः अंगारक योग (Nill – 0%), गुरु चाण्डाल दोष (Active = 30%)।

4. शुभ दिनः Wednesday, Friday

5. शुभ रंगः Green, white, Cream। अशुभः (काला, नीला, पीला)

6. रत्न (Gemstones) धारण कर सकते हैं (Life Time):

Gemstones (रत्न)	Ratti	Hand	Finger	Details
1. पन्ना (Emerald)	7+	Left	Little	चाँदी में बुधवार को सुबह 8:15 AM पर धारण करना है
2. ओपल (Opal)	9+	Left	Middle	चाँदी में शुक्रवार को सुबह 8:15 AM पर धारण करना है। किसी भी पक्ष में धारण कर सकते हैं।
3.				

Celebrity & Family Astrologer: Somvir Singh (B.Tech HBTU Kanpur, M.Tech IIT Roorkee), Published Book – Jyotish Disha, Expertise in Kundali Analysis, Gemstones Analysis, Health Analysis, Match Making, Marak/Karak Grah Analysis. **Office Address (Head Office):** Kiara Astrology Research Centre ®, Shri Jagdish Complex, Hatia Chowk, Ranchi– 834003 (JH). Phone: +91-8789981729, 8674827268. Web: www.KiaraAstrology.in

Scanned with CamScanner

7. वर्जित रत्न (भूल कर भी धारण ना करें):

माणिक (Ruby), मूंगा (Red Coral), पुखराज, मोती, नीलम, लहसुनिया आदि रत्न वर्जित हैं।

नोट : रत्न पहनने का अर्थ यह है की जिस ग्रह का रत्न धारण किया जाता है उस ग्रह की किरणों का शरीर में बढ़ाना। रत्न हमेशा योग कारक और सम ग्रह का पहना जाता है जब वो अच्छे फल देने में सक्षम न हो।

a) चंद्रदेव (मोती), मंगलदेव (मूंगा) और बृहस्पति देव (पीला पुखराज) का रत्न सदा शुक्ल पक्ष में धारण करना चाहिए। तभी यह लाभ प्रद होता है। (समय 8:15 AM)

b) सूर्य देव (माणिक), बुध देव (पन्ना), शुक्र देव (आपल, हीरा, सफ़ेद पुखराज), शनि देव (नीलम) का रत्न किसी भी पक्ष में धारण कर सकते हैं। (समय 8:15 AM)

c) सही गड़ना के मुताबिक **पांच कैरट या एक ग्राम से कम** वजन का रत्न नहीं धारण करना चाहिए।

d) **पुरुषों** को सदैव दाएं हाथ में रत्न पहना है। **स्त्रियों** को सदैव बाएं हाथ में रत्न पहनना चाहिए। अगर किसी जातक को नाग धारण हो जैसे (माणिक, मूंगा), (नीलम, हीरा) तोह लग्न का रत्न उस जातक को पहले सही हाथ में धारण करवाया जाता है। दूसरा रत्न दूसरे हाथ में पहनाया जाता है।

8. रोग भाव का स्वामी: (मित्र/शत्रु) : शुक्र देव : (मित्र हैं।) (ओपल, हीरा) धारण करने से शरीर में रोग कम होंगे। तथा रोगों को दूर करने में मदद मिलेगी। शुक्र का दान भूलकर भी ना करें। (Perfume अधिक use करें।)

9. रोग – विश्लेषण: (रोगों के कारक ग्रह)

आधुनिक समय के भाग - दौड़ एवं वयस्तता भरे जीवन मे प्रत्येक मनुष्य अपनी आकांछाओं और धन - प्राप्ति के पीछे ऐसा वयस्त है कि वह पूर्णतः अपने खान - पान, रहन-सहन और जीवन शैली पर सही ध्यान नहीं दे पता। इसलिए हर मनुष्य अपने स्वास्थय - सम्बन्धी छोटी-छोटी परेशनियों से भी साथ - साथ संघर्ष करता रहता है। Kiara Astrology के माध्यम से हम यह प्रयास करने की कोशिश कर रहे है कि आप ज्योतिष-विद्या के माध्यम से साधारण उपायों द्वारा अपने रोग - सम्बन्धी समस्यायो को कम कर पायँ एवं स्वयं के जीवन को जीने लायक बना सकें।

जन्म कुंडली मे छठा (6th) भाव रोग भाव होता है और छठे भाव का स्वामी रोगेष कहलाता है। महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रत्येक लग्न कुंडली मे रोग -भाव तथा रोगेष का विश्लेषण करने का तरीका बदल जाता है।

सूर्य देव : हड्डिओं के रोग, हृदय रोग, आँखों सम्बन्धी रोग।

चन्द्रमा देव : मानसिक रोग, आँखों के रोग, शरीर व पेट के जल सम्बन्धी रोग, निमोनिया, फेफड़ो के रोग

मंगल देव : खून से सम्बंधित रोग, ब्लड प्रेसर, शुगर, थायरॉइड, कॉलिस्ट्रोल, शारीरिक शक्ति, माँसपेशिओ के रोग

बुध देव : त्वचा से सम्बंधित रोग, यादाश्त सम्बन्धी रोग, दिमाग सम्बन्धी रोग, दिमाग सम्बन्धी रोग, तुतलाना, हकलाना, व कंठ के रोग।

Scanned with CamScanner

बृहस्पति देव	:	लीवर, चर्बी, किडनी, मोटापा सम्बन्धी रोग।
X **शुक्र देव**	:	गुप्तांग सम्बन्धी रोग, नपुंसकता।
✓ **शनि देव**	:	शरीर के किसी भी हिस्से में दर्द, लम्बी बीमारी।
X **राहु देव**	:	सभी तरह की संक्रामकता, कुष्ठ रोग, अपगता, पागलपन, वहम।
✓ **केतु देव**	:	रीढ़ की हड्डी, हड्डिओं के बीच में तरलता, कैंसर, बबासीर, फोड़े- फुन्सी, दाँत सम्बन्धी रोग।

10. रोग कम करने के लिए दान : शनिदेव, केतु देव, सूर्यदेव, चन्द्रदेव के दान करने से शरीर से रोगों को पूरी तरह दूर किया जा सकता है।

Comments:

☺ Down to earth रहेंगी तथा Luxurious things आपको काफी Attract करेंगी। सारी सुख सुविधा भी मिलेंगी due to Venus in 4th house. गाड़ी, घर का सुख, माता का सुख आदि!
माता से काफी Attachment रहेगा!

☺ Very Hardworking रहेंगी। तथा unnecessary work भी काफी करना पड़ेगा! जिसका results → Nill.
मेहनती भी रहेंगी। life में भागदौड़ | फिजूल की मेहनत भी होती रहेगी!

* → रोजाना सूर्य को जल दें! तथा Sunday को सूर्य देव का दान करने से easily सुख सुविधा में वृद्धि होने लगेगी! माता के लिए भी अच्छा रहेगा! भाग्य का साथ भी मिलने लगेगा!

☺ शनि देव 8th house में होने से धार्मिक क्षेत्र (पूजा पाठ, आस्था) में मन नहीं लगेगा! obstacles, परेशानी, लम्बी बीमारी, मानसिक तनाव, ज्यादा रहेंगे। पेट काफी कमजोर हो जाएगा जिसके कारण पेट से सम्बन्धित परेशानी रहेंगी। love life disturb होगी!

Scanned with CamScanner

विवाह देरी से होने के योग बनेंगे ! After Marriage, सन्तान Delay होगी तथा गर्भपात की स्थिति बन सकती है । (Due to Saturn)
शनि के दान अनिवार्य है (हर शनिवार को सूर्यास्त के बाद) ।
दान एवं उपाय आगे report से follow करें !

शादी के योग : (December 2020) — (25%)
शादी के योग : 22/03/21 to 02/05/21 – (80%)
16/08/21 to 01/09/21 – (100%)
पन्ना अवश्य धारण करें तभी शादी के योग बनेंगे otherwise शादी और delay होगी !

तथा शनिदेव के दान अनिवार्य हैं ! दान एवं उपाय करने से शादी के योग जल्द बनेंगे ! [जीवनभर करें] → Life Time:

ओपल धारण करने से Career growth काफी अच्छी होगी ! सुख सुविधा में वृद्धि होगी ! जीवन भर धारण करके रखें !

पन्ना धारण करने से पेट से सम्बन्धित समस्या दूर होगी, Hardwork कम होगा, धन संचय करने में मदद मिलेगी ! तथा Bank Balance बढ़ेगा, वाणी मधुर होगी !

सूर्य & शनिदेव के कारण Agressive Nature होगा, जिद्दी, तथा गुस्सा काफी आएगा !
सूर्य & शनि के दान Health के लिए लाभप्रद रहेंगे !

शत्रु ग्रह :- (शनिदेव, सूर्य देव, केतु देव, गुरु, चन्द्र)
मित्र ग्रह :- (बुध देव, शुक्र देव, राहु देव) .

Scanned with CamScanner

11. महादशा/अन्तर्दशा/प्रत्यंतर दशा परिणाम :

सूर्य की महादशा : 09/12/2018 to 08/12/2024 : खराब दशा (50%)

फिजूल की भागदौड़ लगी रहेगी, फिजूल की मेहनत काफी होगी, माता को भी परेशानी होगी, माता की भी फिजूल मेहनत Activate होगी! भाग्य साथ नहीं देगा तथा धार्मिक कार्यों (पूजापाठ) में मन नहीं लगेगा! सुख सुविधा में कमी रहेगी तथा वाहन से सावधानी रखें! माणिक भूलकर भी धारण ना करें → Accident हो सकता है (वाहन).

* ↳ उपाय :- सूर्य देव को रोजाना जल दें! माणिक Sunday को सुबह 7 to 8 बजे के बीच जल प्रवाह करें (पानी में बहा दें).
* गेहूं, आटा का दान करें (Sunday को)!
* शक्कर (1 मुट्ठी) चींटियों को खिला दिया करें!

सूर्य / राहु :- 03/02/20 to 27/12/2020 — सामान्य समय (अनुकूल समय)

* 05/05/20 to 26/06/20 — खराब समय रहेगा!
  [obstacles, मानसिक तनाव, पेट की समस्या तेजी से बढ़ सकती है! वाहन सावधानी से चलाएं!]
  ↓
  [सूर्य & शनि के दान व उपाय आगे report से देखकर follow करें!]

* 27/06/20 to 12/08/20 — अच्छा समय —(पन्ना धारण करके रखें)
  - love life Active होगी!
  -(सूर्य के उपाय करते रहें!)

* 13/08/20 to 31/08/20 — (खराब समय) — [health समस्या + hospital Bills बढ़ेंगे!]
  ↳ (सूर्य & केतु के दान करना है!)

Scanned with CamScanner

कुंडली में स्थित मारक (शत्रु) ग्रह के उपाय & दान :

ग्रह	उपाय & दान
सूर्य देव के उपाय: (रविवार को करना है)	**सूर्य देव को रोजाना जल देना,** तांबे का सिक्का जल प्रवाह करना, शक्कर चींटियों को डालना, ब्रह्म देव की उपासना करना, माणिक जल प्रवाह करना। **नोट:- पिता या पिता तुल्य व्यक्तियों से मधुर संबंध रखना।** **सूर्य देव के मंत्र का जाप करें। (ऊँ सूर्याय नमः)**
चंद्र देव के उपाय: (सोमवार को करना है)	दूध दान करना, चावल दान करना, मिश्री दान करना, चीनी दान करना या चींटियों को डालना, श्वेत वस्तु (वस्त्र, फूल) दान करना, मोती दान या जल प्रवाह करना। **नोट:- माता या माता तुल्य स्त्रियों से मधुर संबंध रखना, उनसे आशीर्वाद लेना, उनकी सेवा करने से चंद्र देव प्रसन्न होते हैं।** सोमवार को दूध या जल शिवलिंग पर चढ़ायें और शिव जी पूजा करें। चंद्र देव के मंत्र का जाप करें। **(ऊँ सों सोमाय नमः)**
बृहस्पति देव के उपाय: (बृहस्पतिवार को करना है)	शक्कर का दान या चींटियों को डालना, बेसन के लड्डू का दान करना, केले, हल्दी का दान करना, केले क पेड़ को जल देना और सेवा करना, चने की दाल का दान करना, गेंदे का फूल मन्दिर में चढ़ाना, धार्मिक और ज्ञानवर्धक पुस्तके बांटना, सुनेला जल प्रवाह करना, पापीती का दान करना। **नोट:- बुजुर्गो की सेवा करना, गुरूजनो का सम्मान करना, पिता या पिता तुल्य व्यक्तियों से मधुर संबंध रखना।** बृहस्पतिवार को हल्दी की पीली गाँठे जल प्रवाह करें और बृहस्पति देव के मंत्र का जाप करें। **(ऊँ बृं बृहस्पतये नमः)**
शनि देव के उपाय: (शनिवार को करना है)	काले तिल दान करना/ चीटियों को डालना, सरसों के तेल का दाल करना, काली जुरावें दान करना, पीपल के वृक्ष को जल देना, पीपल के वृक्ष के नीचे सरसों का दीपक जलाना, काला वस्त्र का दान करना, लोहे की वस्तुओं का दान करना (चिंता, तवा), नीली जल प्रवाह करना, शनि चालीसा का दान करना, कोयला दान करना/ जल प्रवाह करना, जूता, चप्पल दान करना। **नोट:- निम्न स्तर का कर्मचारी (मजदूर, नौकर, कामवाली, भिखारी) के साथ सही व्यवहार रखने से शनिदेव प्रसन्न होते हैं।** शनिवार को शाम को 7 बजे के बाद (या) सोते समय 5-10 minutes शनि देव के मंत्र का जाप करें। **(ऊँ शं शनैश्चराय नमः)**
केतु देव के उपाय: (मंगल, बुधवार को करना है) & (अमावश्या के दिन)	काला सफ़ेद कपड़ा दान करना, निम्बू दान करना, अमचूर दान करना, आंवले का अचार दान करना, चाकू दान करना, कुत्ते की सेवा करना, कुत्ते को कपड़ा पहनना। **नोट:- नानका परिवार से मधुर संबंध रखने से केतुदेव प्रसन्न होते हैं.** रोजाना शाम को 7 बजे के बाद (या) सोते समय 5-10 minutes केतु देव के मंत्र का जाप करें। **(ऊं कें केतवे नमः)**

नोट: अमावश्या के दिन किसी भी समय (दिन/रात) **शनि, केतु** के दान अवश्य करें।

ऊँ गं गणपतये नम

शुभ 卐 लाभ

Model: ~Teva

SrNo: 110-119-101-1101 / 110011512 Date: 16/05/2020

Elder Daughter of Mrs. Neerja Gupta

25 Jul 1989 12:55 AM

Agra

Kiara Astrology Research Centre ®
Somvir Singh (Celebrity & Family Astrologer)
Shop - 39, First Floor, Shree Jagdish Complex, Near Chandani Chowk, Hatia, Ranchi - 834004
+91-8674827268, +91-8789981729
Website: www.KiaraAstrology.in, Email: KiaraAstrology@gmail.com

Elder Daughter of Mrs. Neerja Gupta

Model: ~Teva

SrNo: 110-119-101-1101 / 110011512

Date: 16/05/2020

लिंग	: स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**: 24-25/07/1989**
दिन	: सोम–मंगलवार
जन्म समय	**: 00:55:00 ंटे**
इष्ट	: 48:13:14 घटी
स्थान	**: Agra**
राज्य	: Uttar Pradesh
देश	: India

अक्षांश	: 27:09:00 उत्तर
रेखांश	: 78:00:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: -00:18:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 00:37:00 घंटे
वेलान्तर	: -00:06:28 घंटे
साम्पातिक काल	: 20:46:58 घंटे
सूर्योदय	: 05:37:42 घंटे
सूर्यास्त	: 19:10:52 घंटे
दिनमान	: 13:33:10 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	: उत्तर
ऋतु	: वर्षा
सूर्य के अंश	: 08:08:32 कर्क
लग्न के अंश	: 00:28:04 वृष

चैत्रादि संवत / शक	: 2046 / 1911
मास	: श्रावण
पक्ष	: कृष्ण
सूर्योदय कालीन तिथि	: 6
तिथि समाप्ति काल	: 10:29:43
जन्म तिथि	: 7
सूर्योदय कालीन नक्षत्र	: रेवती
नक्षत्र समाप्ति काल	: 28:03:23 घंटे
जन्म नक्षत्र	: रेवती
सूर्योदय कालीन योग	: सुकर्मा
योग समाप्ति काल	: 20:16:00 घंटे
जन्म योग	: धृति
सूर्योदय कालीन करण	: वणिज
करण समाप्ति काल	: 10:29:43 घंटे
जन्म करण	: बव
भयात	: 48:14:59
भभोग	: 56:05:56
भोग्य दशा काल	: बुध 2 वर्ष 4 मा 15 दि

अवकहड ा चक्र	
लग्न–लग्नाधिपति	: वृष – शुक्र
राशि–स्वामी	**: मीन – गुरु**
नक्षत्र–चरण	**: रेवती – 4**
नक्षत्र स्वामी	: बुध
योग	: धृति
करण	: बव
गण	: देव
योनि	: गज
नाड़ी	: अन्त्य
वर्ण	: विप्र
वश्य	: जलचर
वर्ग	: सिंह
युँजा	: पूर्व
हंसक	: जल
जन्म नामाक्षर	: ची–चित्रलता
पाया(राशि–नक्षत्र)	: स्वर्ण – स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: सिंह

ात चक्र	
मास	: फाल्गुन
तिथि	: 5-10-15
दिन	: शुक्रवार
नक्षत्र	: आश्लेषा
योग	: वज्र
करण	: चतुष्पाद
प्रहर	: 4
वर्ग	: मृग
लग्न	: सिंह
सूर्य	: मिथुन
चन्द्र	: कुम्भ
मंगल	: कर्क
बुध	: कुम्भ
गुरु	: सिंह
शुक्र	: कन्या
शनि	: वृष
राहु	: तुला

Elder Daughter of Mrs. Neerja Gupta

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	00:28:04	409:10:52	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	राहु	–––
सूर्य			कर्क	08:08:32	00:57:18	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			मीन	28:08:13	14:14:41	रेवती	4	27	गुरु	बुध	शनि	सम राशि
मंगल			सिंह	00:08:53	00:37:40	मघा	1	10	सूर्य	केतु	केतु	मित्र राशि
बुध		अ	कर्क	15:24:56	02:00:34	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	शत्रु राशि
गुरु			मिथु	05:00:04	00:12:38	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	सूर्य	शत्रु राशि
शुक्र			सिंह	07:11:06	01:12:21	मघा	3	10	सूर्य	केतु	राहु	शत्रु राशि
शनि	व		धनु	15:19:45	00:03:54	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	सम राशि
राहु			कुंभ	02:17:37	00:00:53	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	केतु	मित्र राशि
केतु			सिंह	02:17:37	00:00:53	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		धनु	08:29:09	00:02:00	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	–––
नेप	व		धनु	16:42:50	00:01:29	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	–––
प्लूटो			तुला	18:39:12	00:00:03	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	चंद्र	–––
दशम भाव			मक	15:35:34	--	श्रवण	--	22	शनि	चंद्र	गुरु	--

व – वक्री स – स्थिर
अ – अस्त पू – पूर्ण अस्त
राहु स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:42:51

लग्न–चलित

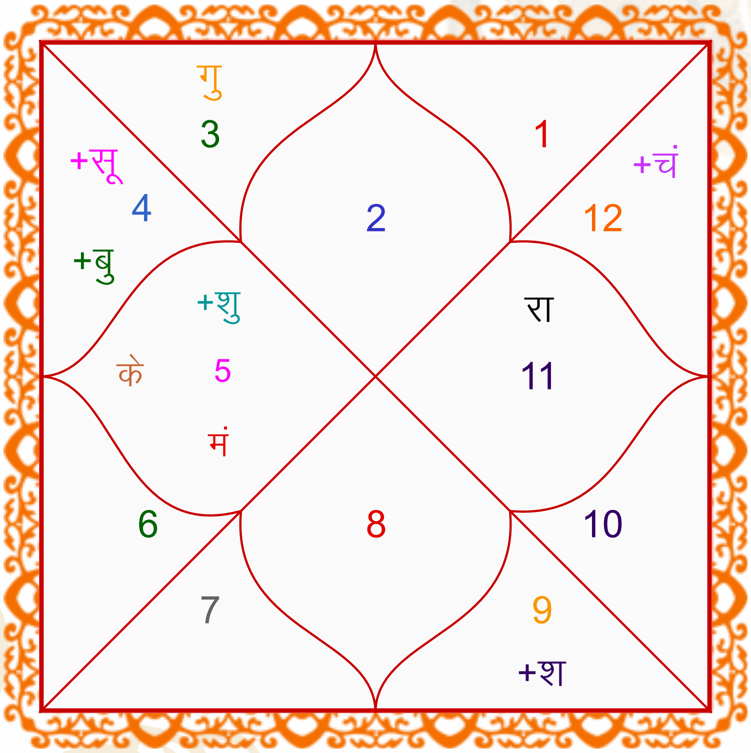

चन्द्र कुंडली

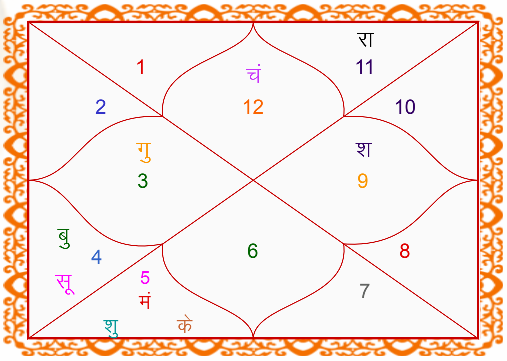

नवमांश कुंडली

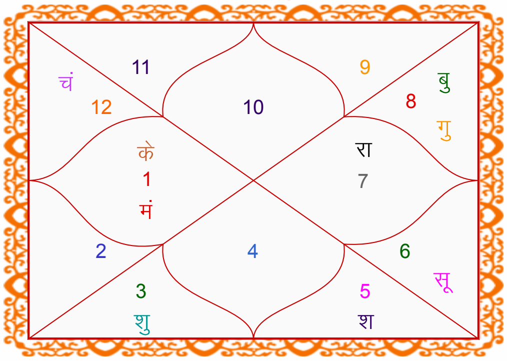

Kiara Astrology Research Centre ®
Somvir Singh (Celebrity & Family Astrologer)
Shop - 39, First Floor, Shree Jagdish Complex, Near Chandani Chowk, Hatia, Ranchi - 834004
+91-8674827268, +91-8789981729
Website: www.KiaraAstrology.in, Email: KiaraAstrology@gmail.com

षट्बल तथा भावबल सारिणी

षट्बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उच्च बल	31	48	1	40	50	17	42
सप्तवर्गज बल	39	75	173	73	109	105	30
ओजयुग्मक बल	0	30	30	0	15	0	30
केन्द्र बल	15	30	60	15	30	60	30
द्रेष्काण बल	15	15	15	15	15	0	15
कुल स्थान बल	100	198	278	143	219	182	147
कुल दिग्बल	2	24	5	35	48	53	45
नतोन्नत बल	3	57	57	60	3	3	57
पक्ष बल	27	67	27	27	33	33	27
त्रिभाग बल	0	0	0	0	60	60	0
अब्द बल	0	0	0	0	0	15	0
मास बल	0	0	0	0	0	30	0
वार बल	0	45	0	0	0	0	0
होरा बल	0	0	0	0	0	60	0
अयन बल	111	19	48	53	60	45	60
युद्ध बल	0	0	0	0	0	0	0
कुल कालबल	140	188	132	140	156	245	144
कुल चेष्टाबल	0	0	9	6	13	20	52
कुल नैसर्गिक बल	60	51	17	26	34	43	9
कुल दृग्बल	-2	-23	1	-1	-4	1	17
कुल षट्बल	301	439	442	349	466	543	413
रूप षट्बल	5.0	7.3	7.4	5.8	7.8	9.1	6.9
न्यूनतम आवश्यकता	5	6	5	7	7	6	5
अनुपात	1.0	1.2	1.5	0.8	1.2	1.6	1.4
संबंधित पद	6	4	2	7	5	1	3

इष्ट फल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
इष्ट फल	38.88	40.16	2.54	15.38	25.50	18.08	46.57
कष्ट फल	17.66	17.60	55.00	32.78	21.68	41.83	12.00

भाव बल

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
भावाधिपति बल	543	543	349	439	301	349	442	442	466	413	413	466
भावदिग्बल	30	20	40	60	10	10	60	50	50	0	40	20
भावदृष्टि बल	4	-1	-5	3	27	51	69	63	63	84	70	12
कुल भाव बल	577	563	384	503	338	410	571	554	579	497	523	498
रूप भाव बल	9.6	9.4	6.4	8.4	5.6	6.8	9.5	9.2	9.7	8.3	8.7	8.3
संबंधित पद	2	4	11	7	12	10	3	5	1	9	6	8

भाव बल ग्राफ

भावाधिपति बल

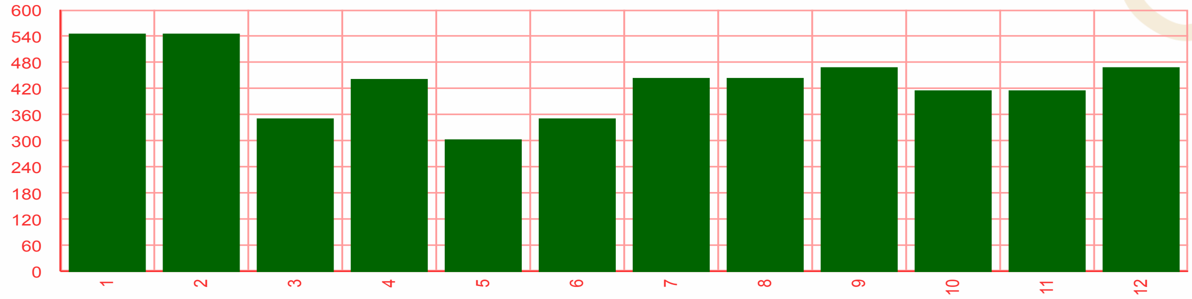

भावदिग्बल

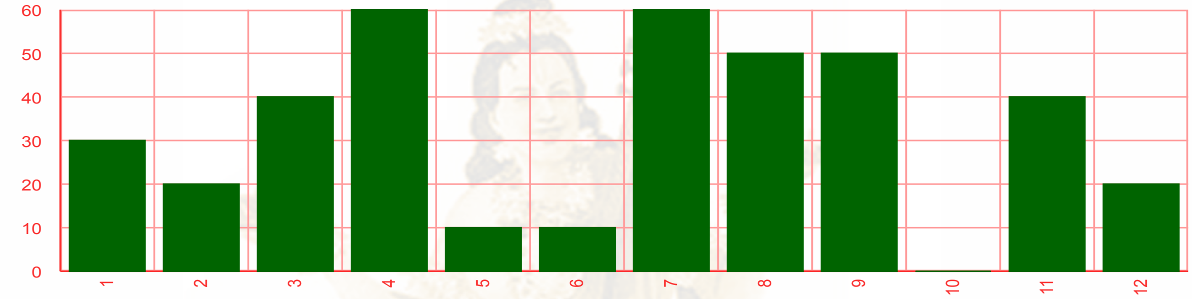

भावदृष्टि बल

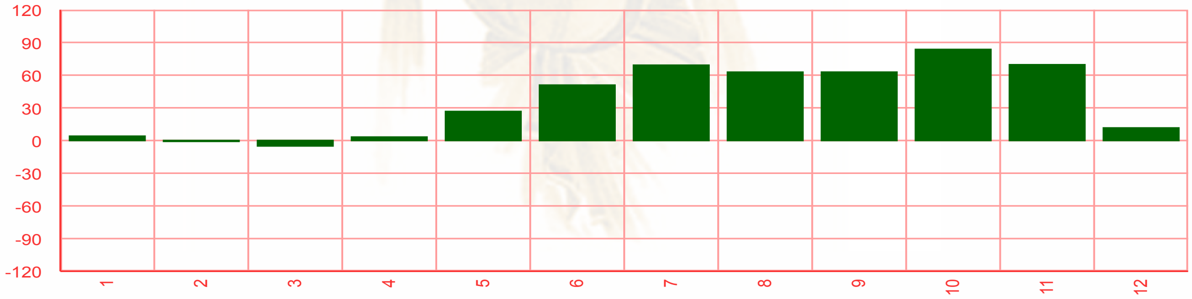

भाव बल

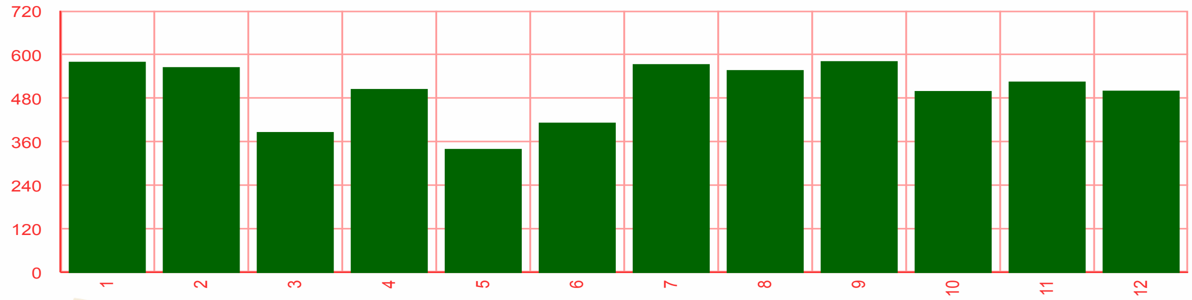

Elder Daughter of Mrs. Neerja Gupta

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 2 वर्ष 4 मास 15 दिन

बुध 17 वर्ष	
25/07/1989	
09/12/1991	
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	25/07/1989
शनि	09/12/1991

केतु 7 वर्ष	
09/12/1991	
09/12/1998	
केतु	06/05/1992
शुक्र	06/07/1993
सूर्य	11/11/1993
चंद्र	12/06/1994
मंगल	08/11/1994
राहु	27/11/1995
गुरु	02/11/1996
शनि	12/12/1997
बुध	09/12/1998

शुक्र 20 वर्ष	
09/12/1998	
09/12/2018	
शुक्र	09/04/2002
सूर्य	10/04/2003
चंद्र	08/12/2004
मंगल	07/02/2006
राहु	07/02/2009
गुरु	09/10/2011
शनि	09/12/2014
बुध	09/10/2017
केतु	09/12/2018

सूर्य 6 वर्ष	
09/12/2018	
08/12/2024	
सूर्य	28/03/2019
चंद्र	27/09/2019
मंगल	02/02/2020
राहु	27/12/2020
गुरु	15/10/2021
शनि	27/09/2022
बुध	03/08/2023
केतु	09/12/2023
शुक्र	08/12/2024

चंद्र 10 वर्ष	
08/12/2024	
09/12/2034	
चंद्र	09/10/2025
मंगल	10/05/2026
राहु	09/11/2027
गुरु	10/03/2029
शनि	09/10/2030
बुध	09/03/2032
केतु	08/10/2032
शुक्र	09/06/2034
सूर्य	09/12/2034

मंगल 7 वर्ष	
09/12/2034	
09/12/2041	
मंगल	07/05/2035
राहु	25/05/2036
गुरु	30/04/2037
शनि	09/06/2038
बुध	06/06/2039
केतु	03/11/2039
शुक्र	02/01/2041
सूर्य	10/05/2041
चंद्र	09/12/2041

राहु 18 वर्ष	
09/12/2041	
09/12/2059	
राहु	21/08/2044
गुरु	14/01/2047
शनि	20/11/2049
बुध	09/06/2052
केतु	27/06/2053
शुक्र	27/06/2056
सूर्य	22/05/2057
चंद्र	21/11/2058
मंगल	09/12/2059

गुरु 16 वर्ष	
09/12/2059	
09/12/2075	
गुरु	26/01/2062
शनि	09/08/2064
बुध	15/11/2066
केतु	21/10/2067
शुक्र	21/06/2070
सूर्य	10/04/2071
चंद्र	09/08/2072
मंगल	16/07/2073
राहु	09/12/2075

शनि 19 वर्ष	
09/12/2075	
09/12/2094	
शनि	12/12/2078
बुध	21/08/2081
केतु	30/09/2082
शुक्र	29/11/2085
सूर्य	11/11/2086
चंद्र	12/06/2088
मंगल	22/07/2089
राहु	28/05/2092
गुरु	09/12/2094

बुध 17 वर्ष	
09/12/2094	
26/07/2109	
बुध	07/05/2097
केतु	04/05/2098
शुक्र	05/03/2101
सूर्य	09/01/2102
चंद्र	10/06/2103
मंगल	07/06/2104
राहु	25/12/2106
गुरु	01/04/2109
शनि	26/07/2109

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 2 वर्ष 4 मा 16 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

Elder Daughter of Mrs. Neerja Gupta

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

सूर्य - राहु	
02/02/2020	
27/12/2020	
राहु	22/03/2020
गुरु	05/05/2020
शनि	26/06/2020
बुध	12/08/2020
केतु	31/08/2020
शुक्र	25/10/2020
सूर्य	10/11/2020
चंद्र	07/12/2020
मंगल	27/12/2020

सूर्य - गुरु	
27/12/2020	
15/10/2021	
गुरु	04/02/2021
शनि	22/03/2021
बुध	02/05/2021
केतु	19/05/2021
शुक्र	07/07/2021
सूर्य	22/07/2021
चंद्र	15/08/2021
मंगल	01/09/2021
राहु	15/10/2021

सूर्य - शनि	
15/10/2021	
27/09/2022	
शनि	09/12/2021
बुध	27/01/2022
केतु	16/02/2022
शुक्र	15/04/2022
सूर्य	02/05/2022
चंद्र	31/05/2022
मंगल	20/06/2022
राहु	12/08/2022
गुरु	27/09/2022

सूर्य - बुध	
27/09/2022	
03/08/2023	
बुध	10/11/2022
केतु	28/11/2022
शुक्र	19/01/2023
सूर्य	03/02/2023
चंद्र	01/03/2023
मंगल	19/03/2023
राहु	05/05/2023
गुरु	15/06/2023
शनि	03/08/2023

सूर्य - केतु	
03/08/2023	
09/12/2023	
केतु	11/08/2023
शुक्र	01/09/2023
सूर्य	07/09/2023
चंद्र	18/09/2023
मंगल	26/09/2023
राहु	15/10/2023
गुरु	01/11/2023
शनि	21/11/2023
बुध	09/12/2023

सूर्य - शुक्र	
09/12/2023	
08/12/2024	
शुक्र	08/02/2024
सूर्य	26/02/2024
चंद्र	28/03/2024
मंगल	18/04/2024
राहु	12/06/2024
गुरु	30/07/2024
शनि	26/09/2024
बुध	17/11/2024
केतु	08/12/2024

चंद्र - चंद्र	
08/12/2024	
09/10/2025	
चंद्र	03/01/2025
मंगल	20/01/2025
राहु	07/03/2025
गुरु	17/04/2025
शनि	04/06/2025
बुध	17/07/2025
केतु	04/08/2025
शुक्र	24/09/2025
सूर्य	09/10/2025

चंद्र - मंगल	
09/10/2025	
10/05/2026	
मंगल	21/10/2025
राहु	22/11/2025
गुरु	21/12/2025
शनि	23/01/2026
बुध	22/02/2026
केतु	07/03/2026
शुक्र	11/04/2026
सूर्य	22/04/2026
चंद्र	10/05/2026

चंद्र - राहु	
10/05/2026	
09/11/2027	
राहु	31/07/2026
गुरु	12/10/2026
शनि	07/01/2027
बुध	25/03/2027
केतु	26/04/2027
शुक्र	27/07/2027
सूर्य	23/08/2027
चंद्र	08/10/2027
मंगल	09/11/2027

चंद्र - गुरु	
09/11/2027	
10/03/2029	
गुरु	13/01/2028
शनि	30/03/2028
बुध	07/06/2028
केतु	05/07/2028
शुक्र	24/09/2028
सूर्य	19/10/2028
चंद्र	28/11/2028
मंगल	27/12/2028
राहु	10/03/2029

चंद्र - शनि	
10/03/2029	
09/10/2030	
शनि	09/06/2029
बुध	30/08/2029
केतु	03/10/2029
शुक्र	07/01/2030
सूर्य	05/02/2030
चंद्र	25/03/2030
मंगल	28/04/2030
राहु	24/07/2030
गुरु	09/10/2030

चंद्र - बुध	
09/10/2030	
09/03/2032	
बुध	21/12/2030
केतु	20/01/2031
शुक्र	17/04/2031
सूर्य	13/05/2031
चंद्र	25/06/2031
मंगल	25/07/2031
राहु	11/10/2031
गुरु	18/12/2031
शनि	09/03/2032

चंद्र - केतु	
09/03/2032	
08/10/2032	
केतु	22/03/2032
शुक्र	26/04/2032
सूर्य	07/05/2032
चंद्र	25/05/2032
मंगल	06/06/2032
राहु	08/07/2032
गुरु	06/08/2032
शनि	08/09/2032
बुध	08/10/2032

चंद्र - शुक्र	
08/10/2032	
09/06/2034	
शुक्र	18/01/2033
सूर्य	17/02/2033
चंद्र	09/04/2033
मंगल	15/05/2033
राहु	14/08/2033
गुरु	03/11/2033
शनि	07/02/2034
बुध	05/05/2034
केतु	09/06/2034

चंद्र - सूर्य	
09/06/2034	
09/12/2034	
सूर्य	18/06/2034
चंद्र	04/07/2034
मंगल	14/07/2034
राहु	11/08/2034
गुरु	04/09/2034
शनि	03/10/2034
बुध	29/10/2034
केतु	08/11/2034
शुक्र	09/12/2034

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

मंगल - मंगल	
09/12/2034	07/05/2035
मंगल	18/12/2034
राहु	09/01/2035
गुरु	29/01/2035
शनि	21/02/2035
बुध	15/03/2035
केतु	23/03/2035
शुक्र	17/04/2035
सूर्य	25/04/2035
चंद्र	07/05/2035

मंगल - राहु	
07/05/2035	25/05/2036
राहु	04/07/2035
गुरु	24/08/2035
शनि	23/10/2035
बुध	17/12/2035
केतु	08/01/2036
शुक्र	12/03/2036
सूर्य	31/03/2036
चंद्र	02/05/2036
मंगल	25/05/2036

मंगल - गुरु	
25/05/2036	30/04/2037
गुरु	09/07/2036
शनि	01/09/2036
बुध	19/10/2036
केतु	08/11/2036
शुक्र	04/01/2037
सूर्य	21/01/2037
चंद्र	18/02/2037
मंगल	10/03/2037
राहु	30/04/2037

मंगल - शनि	
30/04/2037	09/06/2038
शनि	04/07/2037
बुध	30/08/2037
केतु	22/09/2037
शुक्र	29/11/2037
सूर्य	19/12/2037
चंद्र	22/01/2038
मंगल	15/02/2038
राहु	16/04/2038
गुरु	09/06/2038

मंगल - बुध	
09/06/2038	06/06/2039
बुध	31/07/2038
केतु	21/08/2038
शुक्र	20/10/2038
सूर्य	07/11/2038
चंद्र	07/12/2038
मंगल	28/12/2038
राहु	21/02/2039
गुरु	10/04/2039
शनि	06/06/2039

मंगल - केतु	
06/06/2039	03/11/2039
केतु	15/06/2039
शुक्र	10/07/2039
सूर्य	17/07/2039
चंद्र	30/07/2039
मंगल	08/08/2039
राहु	30/08/2039
गुरु	19/09/2039
शनि	12/10/2039
बुध	03/11/2039

मंगल - शुक्र	
03/11/2039	02/01/2041
शुक्र	13/01/2040
सूर्य	03/02/2040
चंद्र	09/03/2040
मंगल	03/04/2040
राहु	06/06/2040
गुरु	02/08/2040
शनि	08/10/2040
बुध	08/12/2040
केतु	02/01/2041

मंगल - सूर्य	
02/01/2041	10/05/2041
सूर्य	08/01/2041
चंद्र	19/01/2041
मंगल	26/01/2041
राहु	14/02/2041
गुरु	03/03/2041
शनि	24/03/2041
बुध	11/04/2041
केतु	18/04/2041
शुक्र	10/05/2041

मंगल - चंद्र	
10/05/2041	09/12/2041
चंद्र	27/05/2041
मंगल	09/06/2041
राहु	11/07/2041
गुरु	08/08/2041
शनि	11/09/2041
बुध	11/10/2041
केतु	23/10/2041
शुक्र	28/11/2041
सूर्य	09/12/2041

राहु - राहु	
09/12/2041	21/08/2044
राहु	06/05/2042
गुरु	14/09/2042
शनि	17/02/2043
बुध	07/07/2043
केतु	02/09/2043
शुक्र	14/02/2044
सूर्य	03/04/2044
चंद्र	24/06/2044
मंगल	21/08/2044

राहु - गुरु	
21/08/2044	14/01/2047
गुरु	16/12/2044
शनि	03/05/2045
बुध	05/09/2045
केतु	26/10/2045
शुक्र	21/03/2046
सूर्य	04/05/2046
चंद्र	16/07/2046
मंगल	05/09/2046
राहु	14/01/2047

राहु - शनि	
14/01/2047	20/11/2049
शनि	28/06/2047
बुध	23/11/2047
केतु	22/01/2048
शुक्र	14/07/2048
सूर्य	04/09/2048
चंद्र	30/11/2048
मंगल	29/01/2049
राहु	05/07/2049
गुरु	20/11/2049

राहु - बुध	
20/11/2049	09/06/2052
बुध	01/04/2050
केतु	26/05/2050
शुक्र	28/10/2050
सूर्य	13/12/2050
चंद्र	01/03/2051
मंगल	24/04/2051
राहु	11/09/2051
गुरु	13/01/2052
शनि	09/06/2052

राहु - केतु	
09/06/2052	27/06/2053
केतु	01/07/2052
शुक्र	03/09/2052
सूर्य	22/09/2052
चंद्र	24/10/2052
मंगल	16/11/2052
राहु	12/01/2053
गुरु	04/03/2053
शनि	04/05/2053
बुध	27/06/2053

राहु - शुक्र	
27/06/2053	27/06/2056
शुक्र	27/12/2053
सूर्य	20/02/2054
चंद्र	22/05/2054
मंगल	25/07/2054
राहु	05/01/2055
गुरु	31/05/2055
शनि	21/11/2055
बुध	24/04/2056
केतु	27/06/2056